सरकार की योजना के तहत शिक्षण, प्रकाशनों, विचारगोष्ठियों अनुसंधान अध्ययनों के लिए पात्र स्वैच्छिक संगठन आवेदन करेंगे तो उन्हें उसके लिए सहायता दी जायेगी ।

New High in agricultural performance

*836. DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the New high in Agriculture Performance achieved recently as compared to that in July, 1991;

(b) the indicators of this new high in agricultural performance;

(c) whether India is self-sufficient in Agricultural sector; and

(d) the steps being taken to better the performance in the Agricultural sector?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR): (a) New high in agricultural performance was achieved in the production of rice, wheat, total cereals, total foodgrain, Soyabean, Sunflower, Safflower, Rapeseed & Mustard, total oilseeds and cotton during 1994-95 as compared to 1990-91. New high in yield per hectare was also achieved during this period for all these crops except Soyabean.

(b) Increase in production and productivity are the key indicators of new high in agricultural performance.

(c) By and large, India is self-sufficient in agricultural sector except for some minor shortages in the production of pulses etc.

(d) In order to increase production and productivity, the following programmes are being implemented:

(i) integrated Cereals Development Programme—Rice, Wheat & Coarse Cereals.

(ii) National Pulses Development Programme (NPDP).

(iii) Oilseed Production Programme (OPP).

(iv) Intensive Cotton Development Programme (ICDP).

(v) Special Jute Development Programme (SJDP).

(vi) Central Sector Mini Kit Programme on Rice, wheat and coarse cereals including propagation of improved crop production technology.

व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा के लिए व्यवस्था

*837. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में इस समय व्यावसायिक शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के लिए की गई व्यवस्था आवश्यकता से काफी कम है,

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि देश में लगभग 235 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण करते है लेकिन लगभग 4 लाख विद्यार्थियों के लिए ही व्यावसायिक तथा तकनीकी शिक्षा की व्यवस्था देश में मौजूद है ;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या है ;

(घ) क्या सरकार ने भविष्य में व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा के विस्तार व विकास हेतु कोई योजना तैयार करने का निर्णय किया है; और

(ङ) यदि हां, तो इसकी विस्तृत जानकारी क्या है, और देश में वार्षिक रूप से कितने प्रतिशत विद्यार्थियों के लिए व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा की व्यवस्था करा पाने का सरकार का लक्ष्य है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) से (ङ) देश मे तकनीकी और व्यावसायिक जनशक्ति संबंधी आवश्यकता औद्योगिक गतिविधि के

स्तर से जुड़ी है । अतः औद्योगिक क्षेत्र में विकास के साथ इस प्रकार की जनशक्ति की आवश्यकता में वृद्धि होगी । सिविल यांत्रिक और विद्युतीय इंजीनियरी जैसे अनेक तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में जनशक्ति संबंधी वर्तमान व्यवस्था पूर्णतया पर्याप्त है जबकि संगणक विज्ञान, रसायन इंजीनियरी और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे कुछ अन्य क्षेत्रों में इस व्यवस्था में वृद्धि लाने की आवश्यकता है ।

वर्ष 1993-94 में देश में वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर नामांकन 75.64 लाख था । देश के 407 इंजीनियरी संस्थाओं में स्नातक स्तर पर 98968 छात्रों के लिए स्थान हैं, 1011 पोलिटेकनिकों में डिप्लोमा स्तर पर 163675 छात्रों के लिए तथा 6280 स्कूलों में +2 स्तर पर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए 0.9.02 लाख छात्रों के लिए स्थान है ।

इंजीनियरी तथा व्यावसायिक शिक्षा की सुविधा में लगातार वृद्धि हो रही है । वर्ष 1994-95 में गुवाहाटी में एक नया भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान सृजित किया गया है । वर्ष 1994-95 में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् ने डिग्री स्तर की 40 नई इंजीनियरी संस्थाओं तथा 62 डिप्लोमा स्तरीय संस्थाओं को अनुमोदित किया है । वर्ष 1994-95 में 579 अनिधियत स्कूलों में नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम संस्वीकृत किए गए हैं । राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 1995 तक वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के 10% छात्रों को तथा 2000 ई० तक 25% छात्रों को व्यावसायिक धारा की ओर मोड़ने का लक्ष्य रखा गया है । इंजीनियरी और पालिटेक्निक शिक्षा के लिए ऐसा कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है ।

Computerisation in KVS

*838. SHRI MISA R. GANESAN:
SHRI GOVIND RAM MIRI:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have since decided to computerise progressively the work of Kendriya Vidyalaya Sangathan and its Regional Offices;

(b) if so, what is the annual outlay/expenditure earmarked/incurred therefor;

(c) whether the decision is likely to lead to retrenchment of staff; and

(d) if so, the details and rationale thereof?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Ye, Sir.

(b) Kendriya Vidyalaya Sangathan (KVS) has informed that, during 1994-95 an amount of Rs. 21.06 lakhs has been spent toward hardware/software and the site preparation of computerisation in Headquarters, Kendriya Vidyalaya Sangathan.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

Soil Conservation

*839. SHRI V. RAJESHWAR RAO:
DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR :

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state: (a) the massive soil conservation operations undertaken by this Government;

(b) the details of the various schemes under soil conservation;

(c) the area actually brought under soil conservation;

(d) the amount of money spent on this; and

(e) further steps taken to encourage soil conservation?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR): (a) to (e) Various soil conservation programmes undertaken by Government of India are as under: